14716 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section. CWC.

RAIN CAUSES TRAFFIC CHAOS IN GURGAON



STATESMAN NEWS SERVICE Gurgaon, 13 July

Heavy rain that lashed the region today left Gurgaon waterlogged and brought traffic to a standstill.

Water logging on the Delhi-Gurgaon expressway led to traffic jams at Hero Honda, Sector-15, Iffco and Shankar chowks. Traffic on both sides

of the Gurgaon toll plaza (Kherki Daula) was also affected.

The worst-hit were residents of DLF-I and Sushant Lok-I who were seen emptying out water that flooded their homes. They blamed their RWAs for the civic mess in the private colonies; the residents' associations are responsible for cleaning storm water drains.

HUMIDITY RISES AFTER RAIN

New Delhi, 13 July: Rains lashed parts of the national capital today pushing up humidity levels that added to the discomfiture of the residents of the city. The Safdarjung observatory got 16.3 mm of rains till 5.30 PM, while Palam, Lodhi Road, Ayanagar and Ridge received 10 mm, 21.6 mm, 38 mm and traces of precipitation, respectively in the corresponding period.

The city had a high of 35.6 degrees Celsius and recorded humidity levels up to 91 per cent. Traffic snarls were reported at various places due to the problem of waterlogging following rains.

The weatherman has predicted overcast conditions and rains tomorrow. The maximum and minimum temperatures are likely to hover around 33 and 27 degrees, respectively.

Residents alleged they had been facing the same problem over the last 10 years. "This has not happened for the first time. We have been facing the same issue for the last 10 years. We had brought the issue to the notice of the authorities and the builder. However, nothing has been done till now," said Suresh Chaudhary, resident of DLF phase 1

Netizens took to social media to express their anger and slammed HUDA and MCG for this chaos by posting pictures.

"Dear Manoharlal Khattar (Chief Minister Haryana), you must ask the officers to find out the reason why Gurgaon always stuck in massive traffic jams in just two hours of rain?," read a post on the Twitter account of Ronak.

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Elitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section. CWC.

More water released from KRS to Tamil Nadu

STAFF CORRESPONDENT

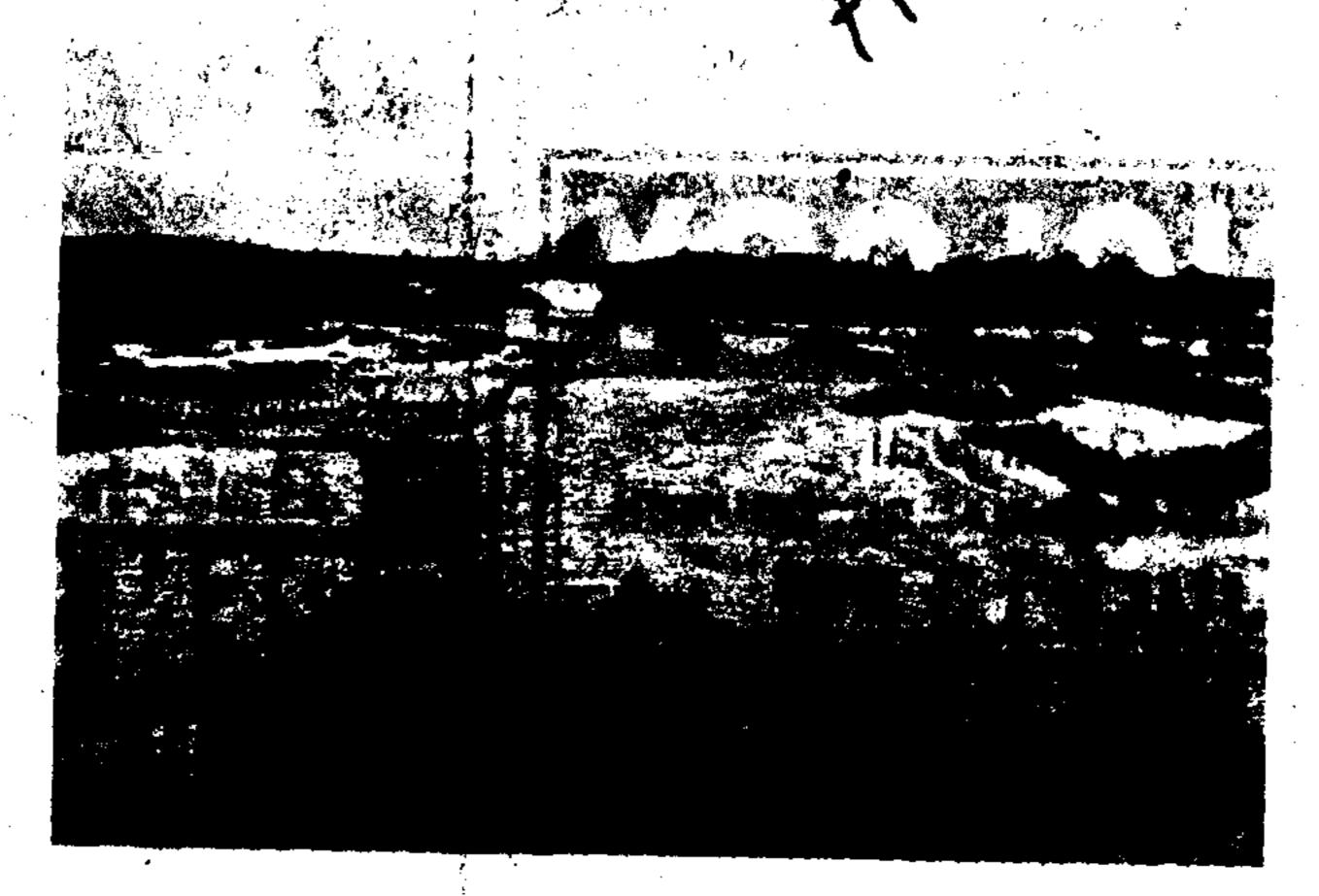
MANDYA: The Karnataka Irrigation Department on Wednesday increased discharge of water from the Krishnaraja Sagar (KRS) to Tamil Nadu to clear the July quota, as per the Cauvery Water Disputes Tribunal (CWDT) order.

Tribunal award

According to the final award of the CWDT, the State must release 34 thousand million cubic feet (tracft) of water to Tamil Nadu in July. This was why the quantum of outflow was increased at the rate of 10,500 cubic feet per second (cusecs) on Wednesday, a senior official at Cauvery Neeravari Nigam Ltd. (CNNL), said,

The inflow into the reservoir was at the rate of 19,575 cusecs at 6 a.m., the officer said.

Meanwhile, the reservoir level stood at 94.6 ft on Wednesday morning. The reservoir had 108.83 ft of wa-



FOLLOWING ORDERS: The increased discharge of water from the KRS to Tamil Nadu is meant to clear the July quota.

ter in the corresponding day last year. The full reservoir level (FRL) is 124.8 ft. The dead storage level is 74 ft.

Protests on highway

After the discharge of water to Tamil Nadu, members of the Karnataka Rajya Raitha Sangha staged a protest on the Bengaluru-Mysuru highway at 6.30 p.m.

They raised slogans

against the State government and urged the Irrigation Department authorities to "immediately stop" the release of water to the neighbouring State.

The reservoir, built across the Cauvery near Srirangapatna, supplies water to Bengaluru, parts of Bengaluru Rural, Mysuru, Mandya and Ramanagaram districts in the State.

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

क्रारश का ।सलासला जारा ह। विज्ञान अनुसार बुधवार को बेलगावी चिक्कमगलूरु, आगुम्ब दक्षिण कुन्नड सहित जिलों में भारी खानपुर, अगुम्बे, कोट्टीगेहारा, दक्षिण कन्नड, संकेश्वर, भागमंगला, मुडबिदरी मणि, बेलगावी, कम्मराड़ी में 50 से 70 एमएमबारिश हुई। बंटवाल, कल्लिर, गेरुसोप्पा, कदरा, हुक्केरी, शेड़बाल, हुलिकल, शिवमोग्गा, धर्मस्थला, मंचीकेरी, पुत्तूर, यल्लापुरा, जगलंपेट, बैलहोंगल, चिक्कोडी, मङ्किरी, अथणी, सोमवारपेट, लिंगनमक्की में 30 से 40 एमएम, कलशा, होत्रावर, मनकी, अंकोला, हिडकल, अरभावी, बीदर, श्रृंगेरी, कोप्पा, बालेहोनूर, श्रीरंगपट्टना में 20 एमएम बारिश दर्ज की गई।

Hindustan Times Statesman The Times of India (N.D.) Indian Express Tribune Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi) Leunjab Keshari (Hindi) The Hindu Rajasthan Patrika (Hindi) Deccan Chronicle Deccan Herald

M.P.Chronicle Aaj (Hindi) Indian Nation Nai Duniya (Hindi) The Times of India (A) Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CV/C.

318-14-7-16

वार्ता):दक्षिण-पश्चिम क सप्ताह की देरी से केरत हैं। पर दस्तक देने के बावजूद में पर व नेया। मौसम विभाग ने बताया-दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तरी अरब सागर, कच्छ और पश्चिमी राजस्थान के शेष हिस्सों में पहुंच गया है। आमतौर पर मानसून 15 जुलाई तक पूरे देश में पहुंचता है। यह लगातार दूसरा साल है जब मानसून समय से पहले पूरे देश में पहुंच जायेगा लेकिन पिछले साल यह 26 जून को ही पूरे देश में सक्रिय हो चुका था। विभाग ने बताया कि आज सुबह समाप्त 24 घंटे के दौरान मध्य महाराष्ट्र में कुछ स्थानों पर बहुत भारी से भारी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा गुजरात क्षेत्र, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई है। आज गुजरात में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, असम एवं मेघालय तथा पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम के हिमालय ' के तराई वाले इलाकों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

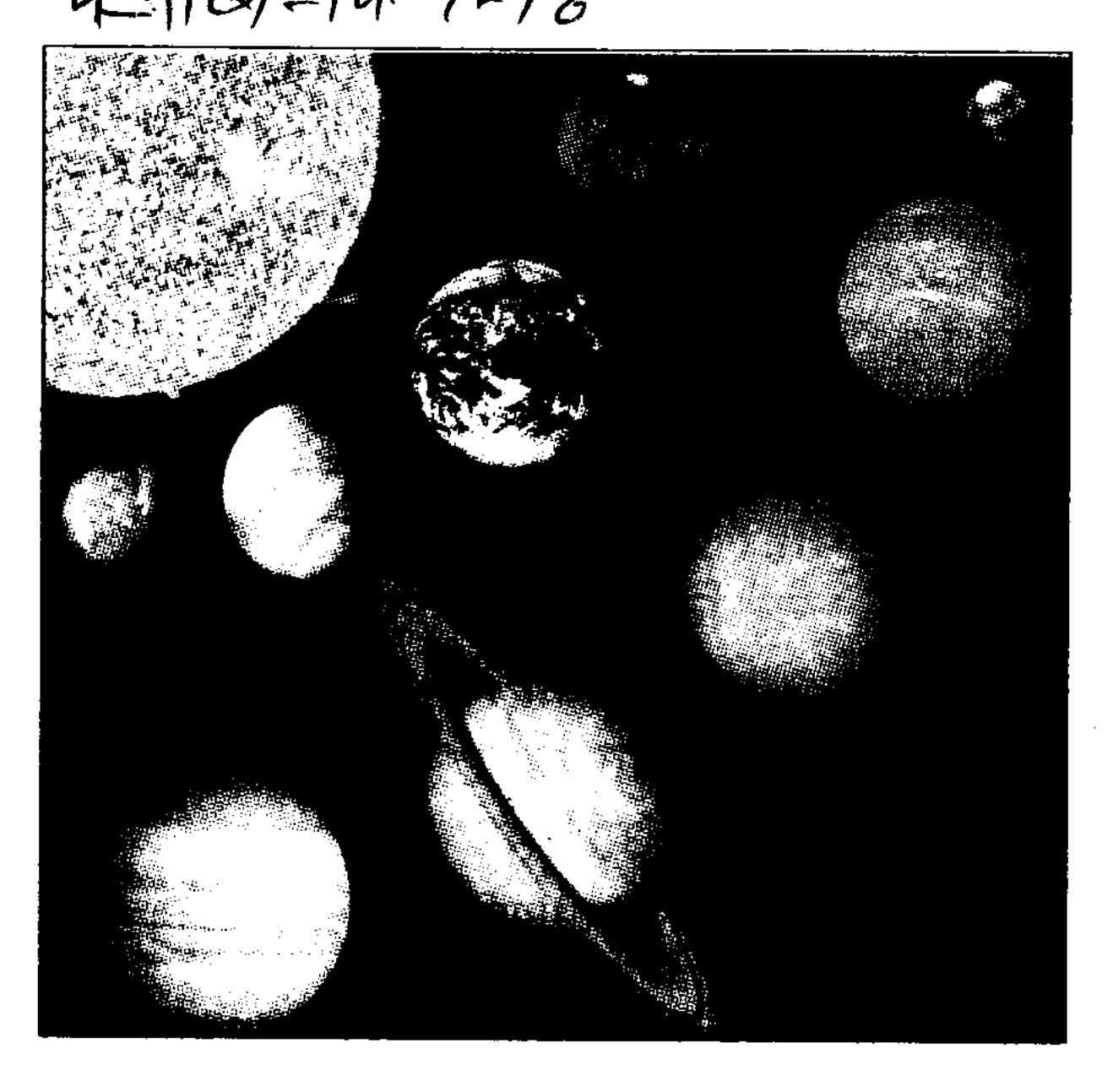
Hindustan Timos Statesman The Times of India (N.D.) Indian Express Tribune Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi) Donjab Kashari (Hindi) The Hindu Rejesthen Patrika (Mindl) Deccan Chronicle Deccan Herald

M.P.Chroniole Aaj (Hindi) Indian Kation Nai Duniya (Hindi) The Times of India (A.) 圧闘力

and decumented at Bhagheth(Endlish)& Publicity Section. CV/C.

१६ से झमाझम बारिश के प्रबल पाण बना एह ह सूच, शुक्र व बुध



ग्वालियर, (संवाददाता): इस बार में त्रिकोण योग बना गया है। ग्रहों का त्रिकोण योग व सूर्य के जल चक्र का कर्क राशि में प्रवेश बारिश के शुभ संकेत दे रहा है।

यह संयोग 16 जुलाई से शहर में झमाझम बारिश के होने के संकेतों को प्रबल बना रहे हैं। ज्योतिषाचार्य सतीश सोनी के अनुसार बुध ग्रह वृषभ राशि से निकलकर सोमवार को मिथुन राशि में प्रवेश कर चुका है। इस राशि में पहले से ही सूर्य की अलग-अलग स्थिति के कारण के एक साथ होने के कारण इस युति

ग्रहों के संयोग अच्छी बारिश के की यह स्थिति आगामी दिनों में संकेत दे रहे हैं। बुध, शुक्र और सूर्य अच्छी बारिश के समाचार दे रही है। सूर्य मिथुन राशि में 16 जुलाईए बुध 11 जुलाई और शुक्र 14 जुलाई तक रहेंगे। वहीं सूर्य 16 जुलाई से अपनी जल चक्र की राशि कर्क में प्रवेश करने से झमाझम बारिश हो सकती है। 11 अगस्त को गुरुवार ग्रह सिंह राशि को छोड़कर कन्या राशि में प्रवेश कर जाएगा। 19 अगस्त को गुरु का बुध से मिलन होगा। ग्रहों और शुक्र की युति बन रही है। तीनों 30 अगस्त तक बारिश के योग बने रहेंगे।

News item/letter/article/editorial published on 14.2.16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

केंद्र सरकार अंडर-ग्राउंड पाइप तकनीक अपनाकर सूखाग्रस्त इलाकों में सिंचाई कराएगी

जमीन के नीचे पाइप से हर खेत तक पानी

तैयारी

नई दिल्ली पीयूष पांडेय

देश में हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार अंडर-ग्राउंड पाइप तकनीक अपनाने की तैयारी में है। वैश्विक स्तर पर कई देशों द्वारा इस तकनीक को अपनाने और जल प्रबंधन के मद्देनजर सरकार ने इसे अपनाने का मन बनाया है।

बुंदेलखंड से सरकार शुरू करेगी पाइप से सिंचाई: नीति आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में जमीन के अंदर से पाइप के जरिये फौळ्वारा सिंचाई की आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। दरअसल राज्य सरकार ने नहर से खेतों तक पानी पहुंचाने के काम की जिम्मेदारी लेने से इंकार कर दिया, क्योंकि किसानों से चार फीट की नाली के लिए जगह लेना बड़ी मशक्कत का काम हो गया है। इसके अलावा सतही सिंचाई के लिए बनाई जाने वाली नालियों को उपयोग करने वाले ही काम निकलने के बाद तोड़ देते हैं। ऐसी दिक्कतों से बचने और हर खेत तक पानी पहुंचाने के लिए आयोग ने जमीन के चार-पांच फीट नीचे पाइप के जिए सिंचाई करने का सुझाव दिया था। इसे सरकार ने स्वीकार कर लिया है।

कई राज्य पाइप तकनीक अपनाने को तैयार: आयोग के अधिकारी के मुताबिक अंडरग्राउंड पाइप के जरिए सिंचाई की तकनीक का प्रयोग अमेरिका और चीन समेत कई देश

फसलों को कम रोग लगता है

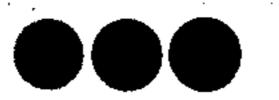
कृषि विशेषज्ञ डॉ.देवेंद्र के मुताबिक सतही सिंचाई की अपेक्षा पाइप के जिरए की जाने वाली फौव्वारा सिंचाई द्वारा जल प्रबंधन आसान होता है। इसकी देखरेख पर खर्च कम लगता है और फसलों को रोग भी कम लगते हैं। छिड़काव सिंचाई पद्धित में फसल उत्पादन के लिए लगभग 10 प्रतिशत अधिक क्षेत्रफल उपलब्ध होता है, क्योंकि इसमें नालियां बनाने की आवश्यकता नहीं होती। गौरतलब है कि इस विधि का उपयोग बलुई मिट्टी, ऊंची-नीची जमीन और कम पानी वाले क्षेत्रों में बहुत सफल रहा है।

कर रहे हैं। सरकार इसे पूरे देश में लागू करना चाहती है। यूपी, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और झारखंड समेत कई राज्य इस तकनीक को अपनाने में सहमत हैं। दरअसल इससे 80 से 90 प्रतिशत तक पानी खेतों तक पहुंचता है। जबकि नहर काटकर नालियों के जिए सिंचाई करने में महज 38

प्रतिशत पानी ही खेतों तक पहुंचता है। नालियों के टूटने से कई बार गलत खेत में ज्यादा पानी जाने और रिसाव से नुकसान होता है। इसके अलावा नालियों की हर साल मरम्मत करनी पड़ती है। पाइप तकनीक को स्थापित करने का खर्च शुरुआत में 40 से 50 प्रतिशत ज्यादा होगा, लेकिन इसके बाद दस साल तक कोई खर्च नहीं है।

#E-14-7-







14.7.16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

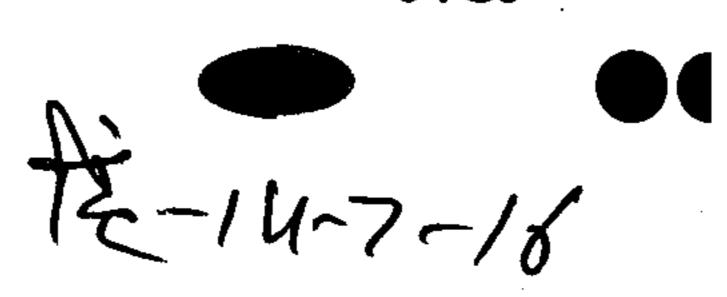
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A
Elitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

स्वच्छ हो गंगा

गंगा वह काविरल और निर्मल बनाने के लिए केंद्री सरकार की महत्वाकांशी व प्रशंसकी परियोजना 'नमामि गंगे' का शुभारंग एक हर्ष की बात है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि गंगा का जल दिन-ब-दिन प्रदूषित होता जा रहा है। बात यदि भारतीय संस्कृति की करें, तो उसमें गंगा नदी को मां का दर्जा दिया जाता है। ऐसी स्थिति में नमामि गंगे एक अच्छी पहल है। नमामि गंगे से पहले भी गंगा नदी को स्वच्छ करने के लिए कई योजनाएं चलाई गई, मगर वे सभी पहल बेअसर साबित हुए। उम्मीद करेंगे कि नमामि गंगे का वह हश्र न हो।

> अमन सिंह बरेली, उत्तर प्रदेश mr.amansinghji@gmail.com



Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi) Punjab Keshari (Hindi) The Hindu Rajasthan Patrika (Hindi) Deccan Chronicle Deccan Herald

M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Elitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

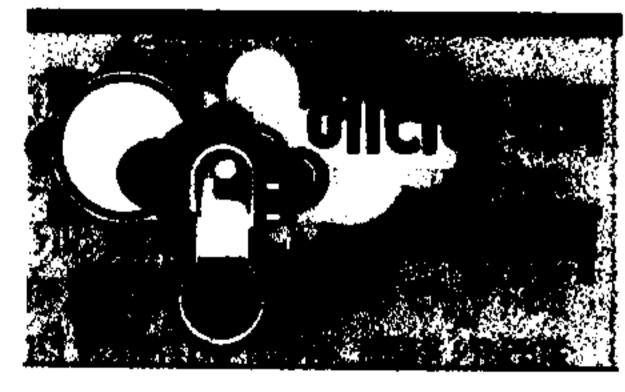
हिन्दुस्तान

नई दिल्ली • गुरुवार • १४ जुलाई २०१६

16

पश्चिमी राजस्थान, पंजाब एवं गुजरात में दो दिन पहले पहुंचा

देशमर में छाया मानसून

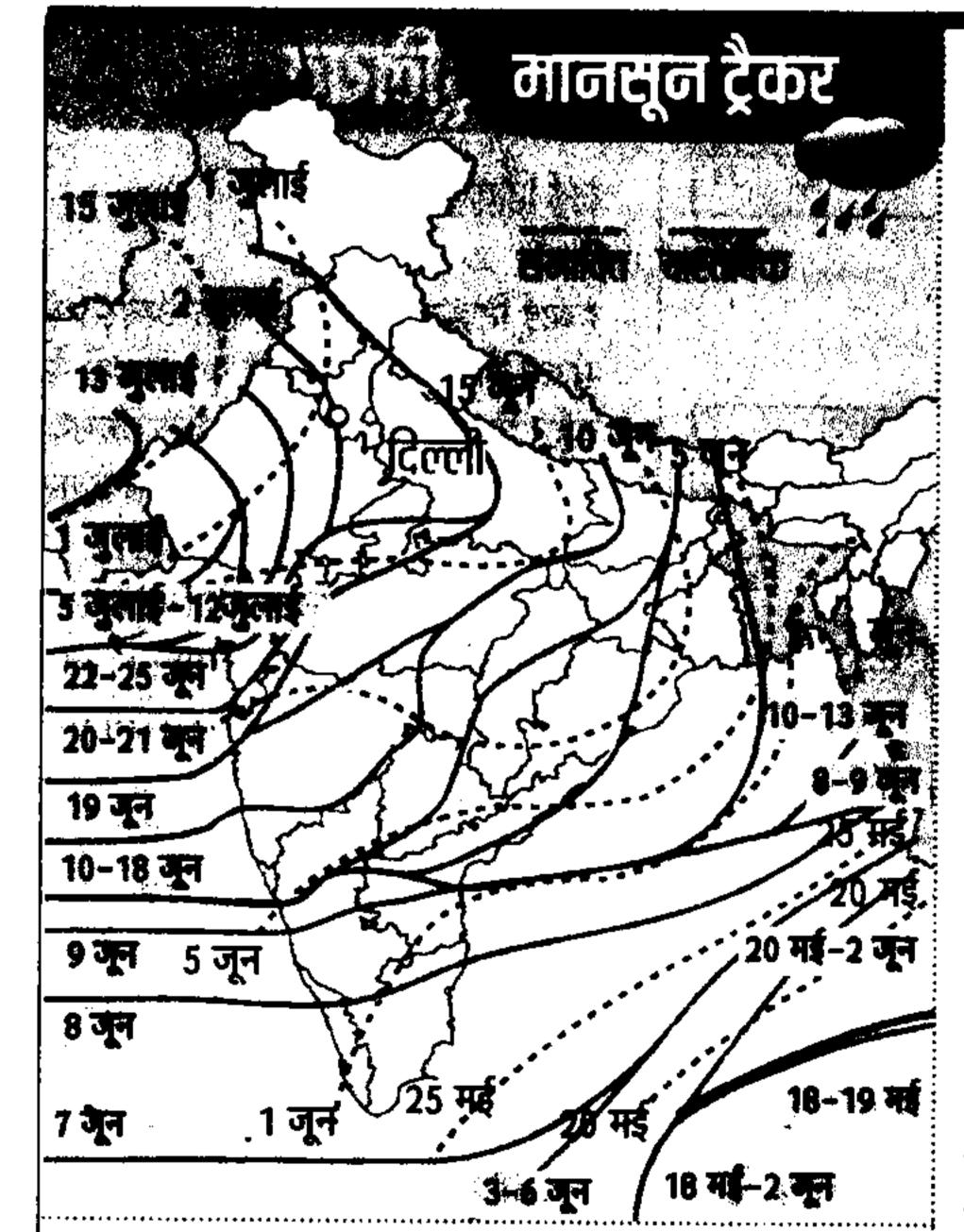


नई दिल्ली विशेष संवाददाता

मानसून ने 13 जुलाई को देश के सभी हिस्सों को कवर कर लिया है। आमतौर पर मानसून एक जुलाई तक देश के करीब 99 फीसदी भाग पर छा जाता है, लेकिन पाक सीमा से लगे राजस्थान, पंजाब एवं गुजरात के इलाकों एवं इससे लगते अरब सागर में मानसून के पहुंचने की सामान्य तिथि 15 जुलाई है। इसके बाद मानसून पाकिस्तान की तरफ प्रवेश कर जाता है।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी राजस्थान, पंजाब एवं गुजरात में मानसून दो दिन पहले पहुंचा है। बता दें कि इधर से ही सितंबर के पहले सप्ताह में मानसून की वापसी भी शुरू होती है। इस प्रकार चार महीने सिक्रय रहने वाला मानसून इस क्षेत्र में महज 50-55 दिन ही सिक्रय रह पाता है। जबकि केरल में वह करीब चार महीने तक सिक्रय रहता है।

चार फीसदी ज्यादा बारिशः मौसम विभाग ने 13 जुलाई तक के आंकड़ों के आधार पर कहा है कि देश में सामान्य से चार फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। अब तक 289 मिमी बारिश हो चुकी है जबकि सामान्य बारिश का रिकॉर्ड 280 का है।



भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने उत्तर भारत, मध्य भारत समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में अगले दो-तीन दिनों में भारी बारिश की संभावना व्यक्त की है। पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में भी भारी से भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

दिल्ली में 18 फीसदी कमः पूर्वोत्तर में सामान्य से 23 फीसदी कम बारिश हुई है। मध्य भारत में 25 तथा दक्षिण भारत में 10 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। उत्तर भारत में सामान्य बारिश है। लेकिन दिल्ली, हरियाणा में 18, हिमाचल प्रदेश में 12 फीसदी कम बारिश हुई है।

१४ जुलाई : हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिम बंगाल और केरल में भारी बारिश की संभावना है। १५ जुलाई : जम्मू-कश्मीर, पंजाब,हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार में भारी बारिश हो सकती है। **16 जुलाई** : पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों, सिक्किम, असम और मेघालय में भारी बारिश होगी। 17 जुलाई : पश्चिम बंगाल में कुछ स्थानों पर और सिक्किम में भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है।

दिनाकं रेप प्राचित्र ... को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi) नव्रभारत टाईम्स (दिल्ली) The Tribune (Chandigarh) The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati) The Times of India (Mumbai) The Telegraph (Kolkata) हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru) The Deccan Chronical (Hyderabad) Central Chronical (Bhopal)

दो दिन तक होगा ख Rajesh Mehta

🔳 नगर संवाददाता, नई दिल्ली

राजधानी के कई इलाकों में बुधवार को अच्छी बारिश हुई। हालांकि कुछ इलाके भी सूखे रहे। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली में अभी मॉनसून का सिस्टम एक्टिव है। इसके कारण लगातार बारिश का मौसम बन रहा है। मॉनसून का सिस्टम जिन इलाकों से गुजर रहा है, वहां पर बारिश हो रही है। अगले दो दिनों में भी अच्छी बारिश की उम्मीद जताई जा रही है।

पर 35.4 डिग्री दर्ज हुआ। मिनिमम रहने की संभावना है। टेंपरेचर नॉर्मल से एक डिग्री ज्यादा भी हो सकती है। मैक्सिमम टेंपरेचर 33 मिमी, आयानगर में 38 मिमी, जाफरपुर 34 से 37 डिग्री रहने की संभावना है।



के साथ 27.8 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम दिल्ली और आसपास के इलाकों में मैक्सिमम ह्यूमिडिटी 91 पर्सेंट दर्ज हुई। विभाग के मुताबिक गुरुवार को बादल बारिश हुई। सफदरजंग में 16.4 मिमी, दिल्ली में 17 जुलाई तक बारिश होने की छाए रह सकते हैं। कई जगहों पर बारिश पालम में 10 मिमी, लोदी रोड में 21.6 संभावना है। साथ ही मैक्सिमम टेंपरेचर

बुधवार को मैक्सिमम टेंपरेचर सामान्य डिग्री और मिनिमम टेंपरेचर 27 डिग्री में 26 मिमी, नजफगढ़ में 20 मिमी, पीतमपुरा में 2 मिमी और अक्षरधाम सुबह 8:30 से शाम 5:30 बजे तक में 2 मिमी बारिश दर्ज हुई। हवा में



उत्तराखंड में फिर भारी बारिश की आशंका के चलते राज्य के 9 जिलों की प्रशासनिक मशीनरी को अलर्ट किया गया है।

पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश में मॉनसून के रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है। अगले 2-3 दिन में वहां अच्छी बारिश हो सकती है।

असम में बाद के हालात में कोई सुधार नहीं है। राज्य में बाद से 1 लाख 11 हजार लोग प्रनावित है।



दिनाकं ! ५५५१ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi) ਜ਼ਕੁਆਦਰ ਟਾਡੁੰਸ਼ਦਾ (ਫ਼ਿਲ਼ੀ) 1 The Tribune (Chandigarh) The Hindu (Chennai) The Assam Tribune (Guwahati) The Times of India (Mumbai) The Telegraph (Kolkata) हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Groundwater level falls in 18 districts

PARVESH SHARMA TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, JULY 13

The Agriculture Department claims to have been running special campaigns to spread awareness on overexploitation of groundwater, but 18 districts have witnessed decline in the state.

Sources in the department said except three districts, the groundwater had declined across the state since June 1974.

Mahendragarh district has witnessed the maximum decline of 28.58 metres, followed by Kurukshetra with 24.32 metres, Gurgaon 20.10 metres, Kaithal 18.75 metres,

Fatehabad 13.78 metres and Panipat 13.04 metres. However, Hisar, Rohtak and Jhajjar have not seen any decline, while the overall decline in the state has been recorded at 8.56 metres during the period.

"We have been running various campaigns to spread awareness on overexploitation of groundwater. Some farmers responded positively, but a majority of them are unwilling to follow the guidelines of our department," said a senior officer of the Agriculture Department.

Sources said that there were a total of 71 overexploited blocks across the state where groundwater had been

exploited above 100 per cent. There are 15 blocks in critical category where groundwater has been used between 70-100 per cent. 7 blocks are in the category of semi-critical where groundwater has been used between 70 to 90 per cent, while 23 blocks are in the category of 'safe' as water has used below 70 per cent in these blocks.

"The Agriculture Department must promote diversification of crops and spread awareness about overexploitation of groundwater, but they are doing nothing and all claims are only on papers," said Gurnam Singh Chaduni, state chief, Bharatiya Kisan Union.

District	Drop by (IN METRES)
Mahendragarh	28.85
Kurukshetra	24.32
Gurgaon	20.10
Kaithal	18.75
Fatehabad	13.78
Panipat	13.04
Rewari	12.88
Karnal	12.63
Faridabad	9.95
Panchkula	9.78
Yamunanagar	6.45
Mewat	5.54
Ambala	5.36
Palwal	4.30
Sonepat	3.68
Jind	1.47
Bhiwani	1.35
Sirsa	1.06

दिनाकं ! ५०-१५१ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi) ਰਕभਾਦਰ ਟਾਡ੍ਰੇਸ਼ਦਾ (ਫਿल्ली) The Tribune (Chandigarh) The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati) The Times of India (Mumbai) The Telegraph (Kolkata) हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Heavy rain brings down Delhi's monsoon deficit

HT Correspondent

htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: After a few dry days, monsoon in Delhi is active again.

Wednesday brought heavy rain to several parts of the city, bringing the deficit from 30% to 9% in a single day.

Parts of south and north Delhi received the maximum amount of rain but east Delhi remained dry on Wednesday as well. The rain deficit in the area is still 98%. Ayanagar received 38mm of rain, Lodhi Road received 21.6

mm while Safdarjund got 16.3 mm rain.

On Wednesday, the maximum temperature was recorded at 35.4 degrees Celsius, normal for this time of the year. The minimum was recorded as 27.8 degrees Celsius, a degree above normal.

A generally cloudy sky with moderate rain is likely on Thursday. The maximum and minimum temperatures are likely to be 33 and 27 degrees Celsius, respectively.

Delhi is expected to end

up with surplus rains when the monsoon season ends in September.

IMD's long-range monsoon forecast says that northwest region of India, of which Delhi is a part, will be above normal rain this monsoon season. The past two years brought deficient monsoon.

Heavy rain on Monday brought the city to a standstill with traffic jams being reported from several arterial roads due to waterlogging and breakdown of vehicles.



A child plays in the rain at south Delhi's Nizamuddin area on GEETIKA BHANDARI/HT PHOTO Wednesday.

Pranahita is in spate due to heavy rains in Vidharba, MP; Maha dams slow inflows to Nizamabad, Adilabad

CONTRASTING PICTURE OF GODAVARI PROJECTS

DC CORRESPONDENT HYDERABAD, JULY 12

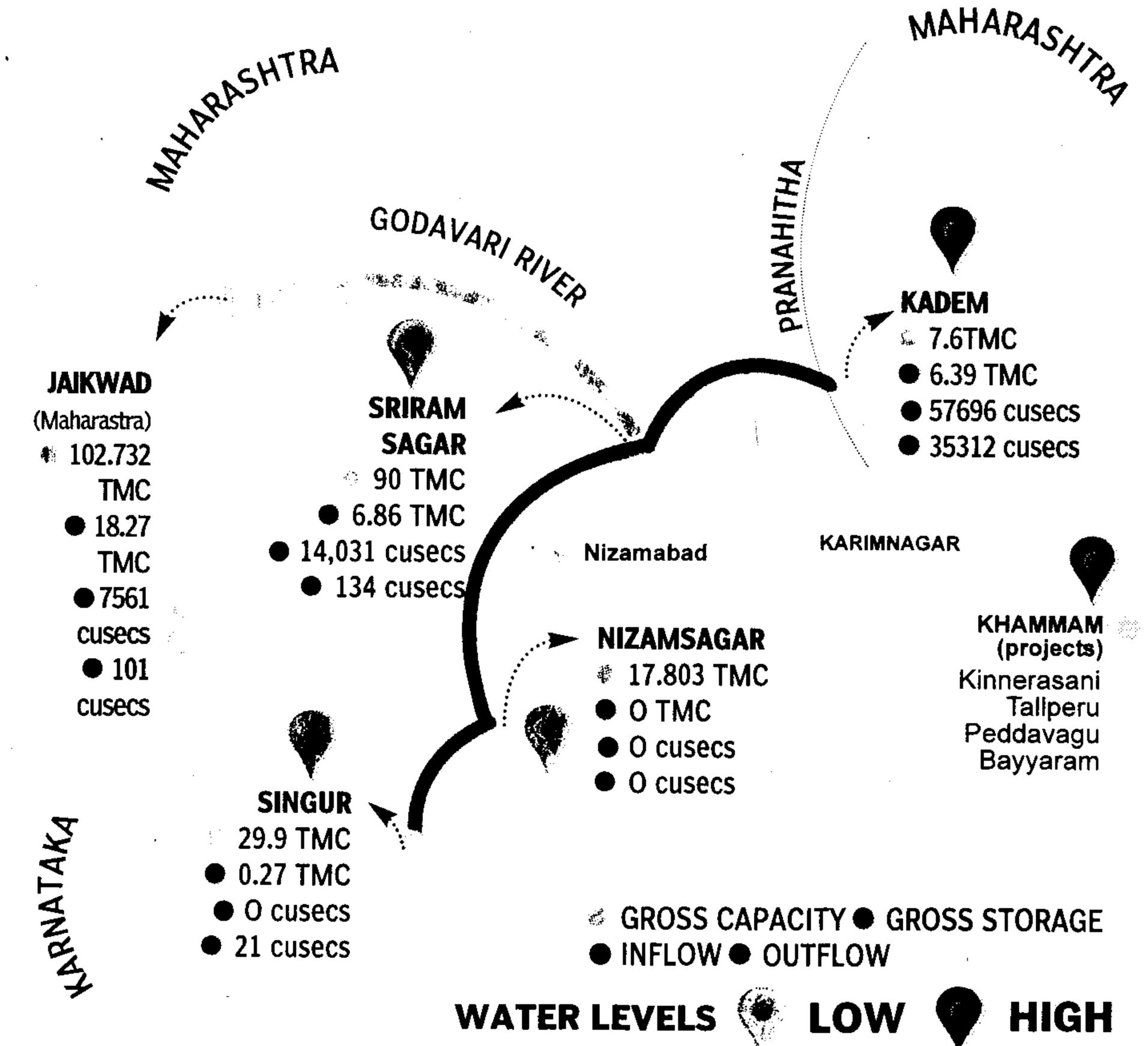
Despite heavy rains in the upstream states, projects in the Godavari basin in Adilabad, Nizamabad, and Khammam districts present a rather contrasting picture.

The Godavari river in Telangana gets inflows from the stream that origfrom Nasik in nate Maharashtra and its tributary Wainganga that begins in Satpura ranges in Madhya Pradesh.

Due to continuous rains for the past few days in Maharashtra's Vidharbha region and Madhya Pradesh, medium irrigation projects across Adilabad (West) and Khammam are now filled to the brim with water. However, the projects in Nizamabad and Adilabad (east), which receive inflows solely from Maharashtra, are awaiting inflows from upstream areas.

Water inflows into Srisamsagar project have just increased with nearly 14,000 cusecs (1.5 TMC) received on Tuesday due to heavy rain in Aurangabad and Nanded districts of Maharashtra and in Nizamabad district.

According to Sriram Sagar Flood Flow Canal chief engineer Shankar, the reservoir will get big



inflows only after the Maharashtra government releases water after the rainfall fills nine small projects, including Babli, and the big Jaikwad project in the state.

There is not enough

water even in Nizamsagar and Singur projects in Nizamabad and Medak districts.

Adilabad (east) and Khammam are getting copious water flow from Wainganga, which has just one

irrigation project across Madhya Pradesh and Maharashtra. Wainganga, which orginates in MP, becomes Pranahita when it enters Telangana and joins Godavari at Kaleshwaram.

State receives excess rainfall

COREENA SUARES | DC **HYDERABAD, JULY 12**

As of July 11, Telangana has received 30 per cent more rainfall than normal.

Khammam received the highest rainfall of 63 per cent above normal followed by Adilabad 40 per cent and Karimnagar 34 per cent. Areas with more green cover have received excess rainfall, experts have revealed.

But in other parts of the state, the mon-

soon has triggered varying results.

Hyderabad, Ranga Reddy and Medak districts of Telangana received less rainfall than normal for the months of June and July. Their rainfall percentages are in the negative figures.

Hyderabad received -15 mm rainfall, while Medak received -18 mm from June 1 to July 11, 2016. However, IMD said these three districts will cross their normal mark in the

next two months.

IMD director, Mr. Y.K Reddy said, "There is no particular reason for districts recording different rainfall. Hydera-bad, Medak and Ranga Reddy can cover up the deficit in the next two months. This variation in rainfall is called 'intra-monsoon seasonal variation'. Also the reason for northern districts of the state like Adilabad, Nizamabad and Khammam receiving more rain is that, all through the monsoon the low pressure areas have been over northern Telangana which is pushing monsoon currents in the region. This has caused much more rain in the northern parts of the state. However if there is a low pressure over south costal AP, the districts in the southern areas will witness rainfall."

The city weather bureau has announced that south-west monsoons have been active over Telangana. The present condition is: the low pressure area over north east Madhya Pradesh and its neighbourhood now lies over central parts of north Madhya Pradesh and its neighbourhood. The associated upper air cyclonic circulation now exte-nds up to 7.6 km above mean sea level. Heavy to very heavy rainfall warning has been issued for Adilabad, Nizamabad, Karimnagar, Warangal and Khammam of

Telangana, up to July 17.



Pranahita ic in coato de la

Hindustan Times (Delhi) नवभारत टाईम्स (दिल्ली) The Tribune (Chandigarh) The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati) --- The Times of India (Mumbai) The Telegraph (Kolkata) हिन्दूस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru) The Deccan Chronical (Hyderabad) Central Chronical (Bhopal)

Mumbai much hotter and rainier, finds study

TERI Analyzed Data Between 1970 And 2013

Vaishnavi Chandrashekhar

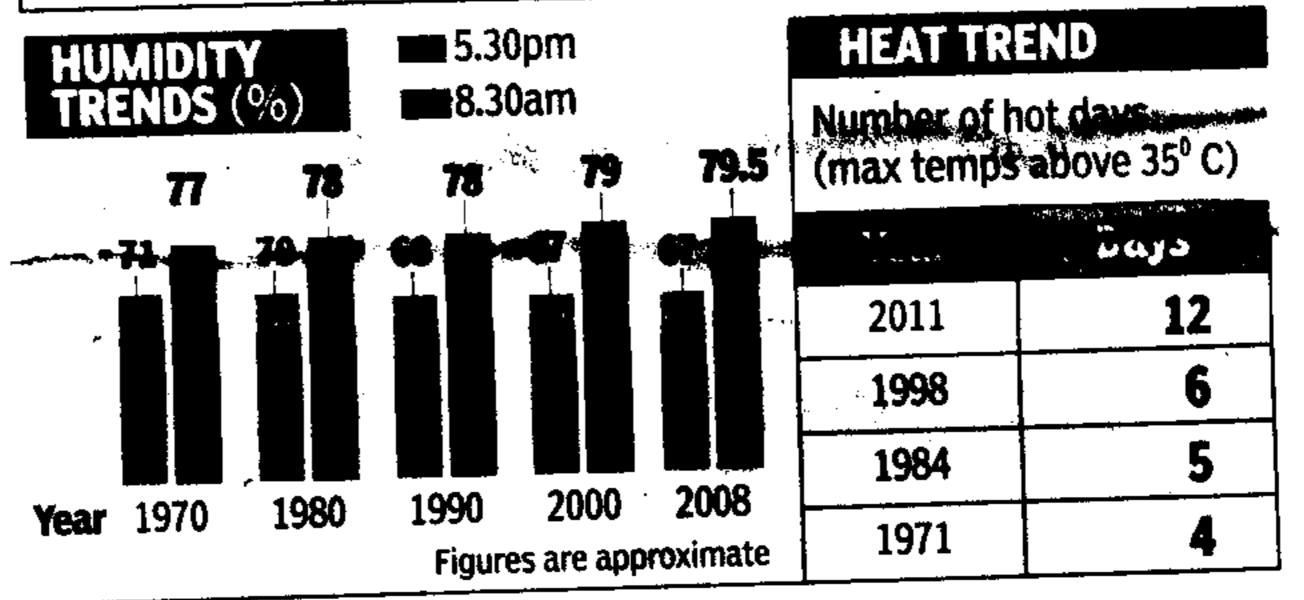
Mumbai: Since the 1970s, Mumbai has become much hotter, a little rainier and slightly more humid.

That's one of the takeaways nom a new environment status report prepared by The Energy and Research Institute (TERI). Among other issues like water and air quality, the report, commissioned by the Mumbai Metropolitan Region Development Authority (MMRDA), looks at climatic shifts in rainfall, temperature, humidity, and wind speeds.

Their findings confirm what Mumbaikars already know from unfortunate experience: the region's climate is getting a

HOW CLIMATE IS CHANGING, LOCALLY

Wet Weather	1971-80	81-90	91-00	01-10	% Increase
Rainy days	1,008	1,048	1,002	1,022	1.3
Very heavy	. 19	24	23	26	26.9



little more uncomfortable.

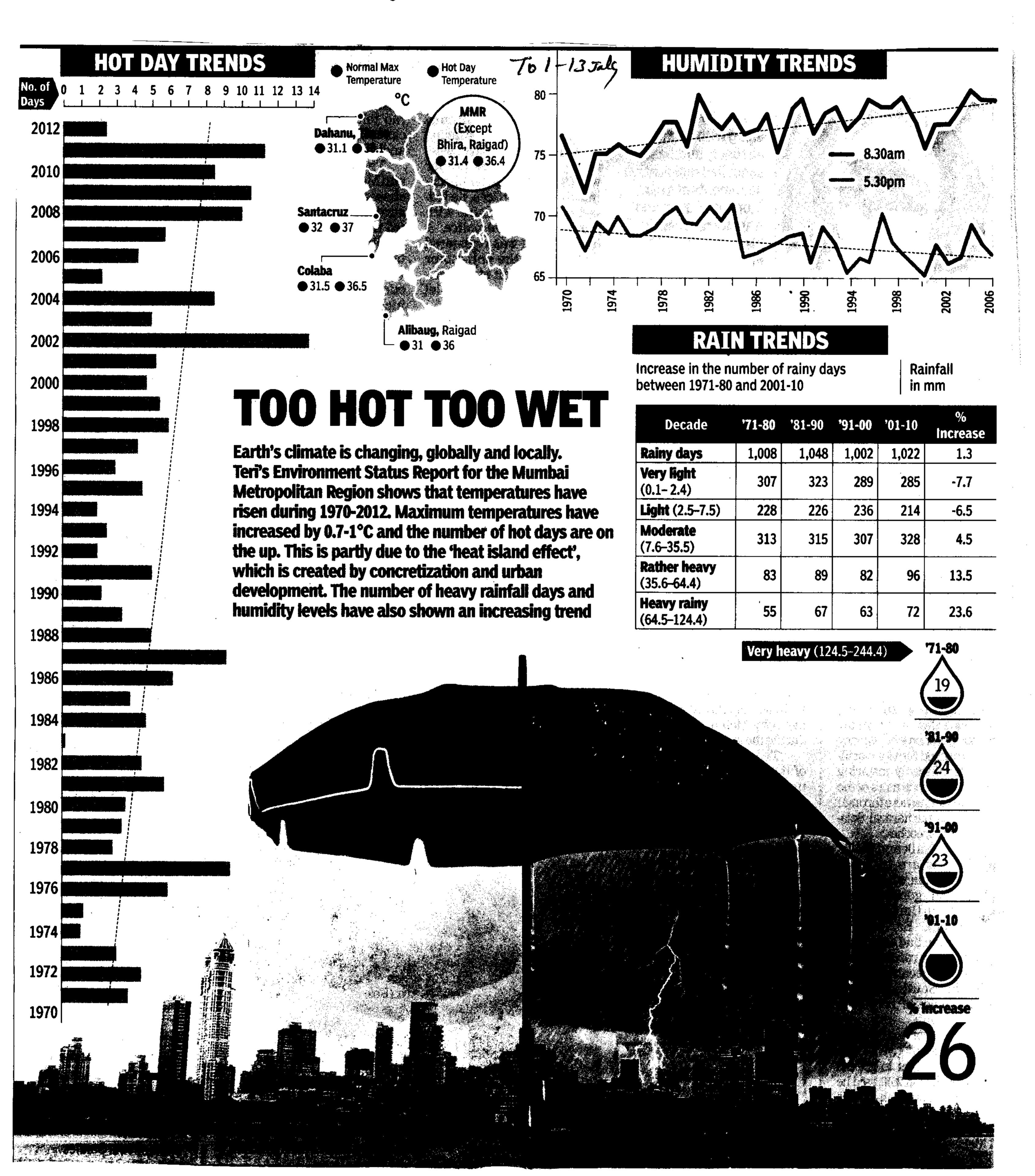
Between 1970 and 2013, the analysis found, average maximum temperatures went up by 0.7-1°C. Maximum temperatures in both April and December saw an increase. In the same period, minimum temperatures also rose, by 0.4-0.6°C.

More alarmingly, the number of very hot days-that is, days when the maximum temperature was 5°C more than average—has also been on the rise. In 1971, there were four "hot days". In 2011, there were 12.

►Local factors, P 4

Hindustan Times (Delhi) ਗੁਕੁਆਦਰ ਟਾਡ੍ਰੇਸ਼ਦਾ (ਫਿਲੀ) The Tribune (Chandigarh) The Hindu (Chennai) The Assam Tribune (Guwahati) The Times of India (Mumbai) The Telegraph (Kolkata) हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)



Hindustan Times (Delhi) ਗੁਕੁਆਦਰ ਟਾਡ੍ਰੇਸ਼ਦਾ (ਫ਼ਿਲ੍ਗੀ) The Tribune (Chandigarh) The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati) The Times of India (Mumbai) The Telegraph (Kolkata) हिन्दुस्तान (पटना) The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Record Illmm rain in a day derails Kolhapur-Goa traffic

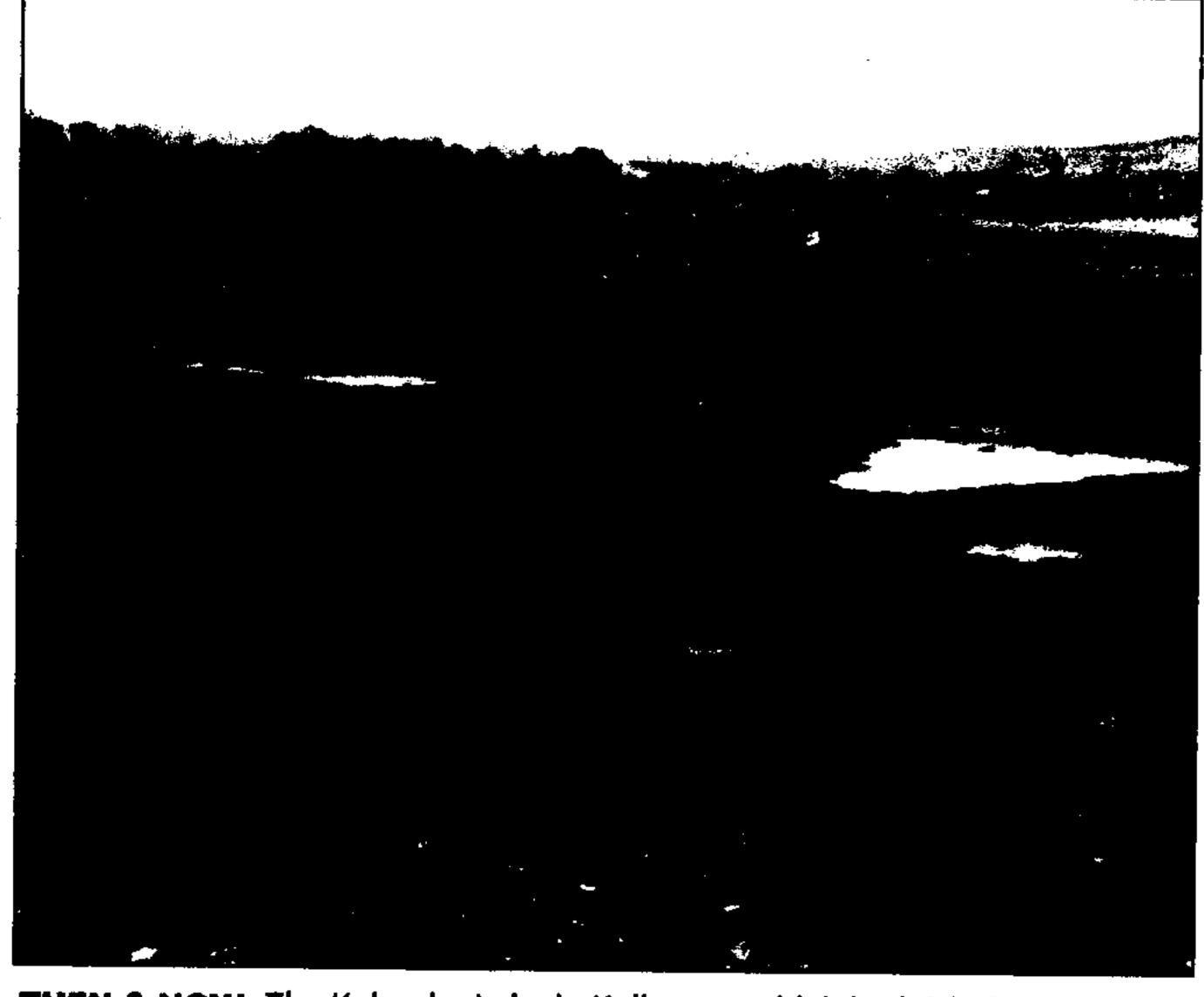
▶ From P 1

I anchaganga flows right through Kolhapur city and if it continues to rain there are very high chances of flooding so we have stationed the rescue team," said Suhas Diwase, director state disaster management cell.

After a record 111.9mm rainfall, the district administration has issued a high alert and told people living in the areas along the river banks to relocate or call for help. As many as 31 major roads in the district are waterlogged, affecting traffic from Kolhapur to Konkan and Goa.

The NDRF team held a meeting with district collector Amit Saini and water resources department officials to review the situation across the district. The Met department has forecast more rain over the next few days. The big worry now is that with the Radhanagari dam already 70% full, it won't be long before the automatic release of the water from the reservoir begins.

This would raise the level of the Panchganga river even





THEN & NOW: The Kalamba Lake in Kolhapur, which had dried up for the first time in its 135-year history on February 12 (L), started overflowing on Tuesday morning after 72 hours of very heavy rainfall. The lake, with a storage capacity of about 69 million cubic feet, provides water to nearly 60,000 people

further, worsening the flooding war Peth, Shahupuri, Nagala in Kolhapur. Park, Tarabai Park and Jawa-

By evening, the Kolhapur Municipal Corporation had shifted at least 121 people from Sutarwada to Chitradurga Math after the water levels of the Jayanti nullah rose. Other areas in the city like Shukra-

war Peth, Shahupuri, Nagala Park, Tarabai Park and Jawahar Nagar were also waterlogged. At least 30% areas in the city are partly under water.

Kalamba Lake, which had in its 135-year history dried up for the first time because of the drought this year, is also overflowing after only 72 hours of rain, officials monitoring the situation said. Traffic from Kolhapur to Konkan and Goa was badly affected with the overflowing Panchganga, Bhogavati, Kumbhi and Kadvi rivers causing waterlogging on roads in Panhala, Amba and Gaganbay-

da. With roads on the shorter routes via Gaganbavda and Amba partly submerged, traffic to Konkan and Goa has now been diverted through Amboli via Ajara, Phonda Ghat via Radhanagari, and Belgaum.

As many as 70 weirs over rivers in the district have gone

under water, affecting thousands of people living in 80 villages. As many as 800 families had started leaving Nilewadi village in Hatkanangale taluka on Tuesday evening after water levels rose.

For the full report, log on to www.timesofindia.com

Hindustan Times (Delhi) ਗੁਕੁਆਦਰ ਟਾਡੁੰਸ਼ਦਾ (ਫਿल्ली) The Tribune (Chandigarh) The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati) The Times of India (Mumbai) The Telegraph (Kolkata) हिन्दुस्तान (पटना) The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Rain claims 10 lives in Maharashtra, Rajasthan

NEW DELHI: At least 10 people were killed in rain-related incidents in Maharashtra and Rajasthan even as there was some let up in the flood situation in Madhya Pradesh and Assam with no casualty reported from the two States since Monday.

Several parts of the country received monsoon rains with heavy rainfall in the national capital, some places in Rajasthan and in eastern Uttar Pradesh, but precipitation eluded Bihar, Punjab and Haryana, where sultry weather caused discomfort to people.

In Maharasthra, eight persons have died in rain-related incidents in the past 36 hours.

Gaganbawda taluka received highest rainfall in Kolhapur district in last 24 hours ending at 8 a.m on Tuesday.

Heavy spell

The heavy spell caused a substantial rise in the water level of Panchganga river near Kolhapur city which is now flowing near the danger mark, following which a disaster management team has been put on alert.



NAVIGATION DIFFICULTIES: Commuters drive on a water-logged road in Bhopal on Tuesday. — PHOTO: PTI

An IMD official said heavy rains coupled with thunder-showers are likely in the Konkan region, north and south central Maharashtra.

He said following heavy rains in the catchment area of Godavari in Nashik, the authorities there and in Ahmednagar districts have put the villages along the embankment of the river on high alert.

Incessant rains also disrupted rail traffic between Surat (in Gujarat) and Nandurbar as the earth work underneath the tracks was washed away forcing railways to divert traffic.

Meanwhile, in Madhya Pradesh, where rain-related incidents claimed 22 lives till Monday, there was as no fresh casualty reported in the last 24 hours. "Monsoon is going to weaken over the State in next two to three days," India Meteorological Department Bhopal Centre's Director, Anupam Kashyapi, said. Government officials said some flooding was reported from Sehore district but the situation was under control.

In Rajasthan, two people were washed away in flood waters in two separate incidents, as rains continued to lash several parts of the state with heavy precipitation in Ajmer, Bharatpur and Udaipur divisions. — PTI

Hindustan Times (Delhi) ਗੁਕੁਆਦਰ ਟਾਡ੍ਰੇਸ਼ਦਾ (ਫਿਲ੍ਗੀ) The Tribune (Chandigarh) The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati) The Times of India (Mumbai) The Telegraph (Kolkata) हिन्दुस्तान (पटना) The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

State to rope in local community for irrigation management

Scheme on the anvil to bring back age-old practice of 'kudi maramath'

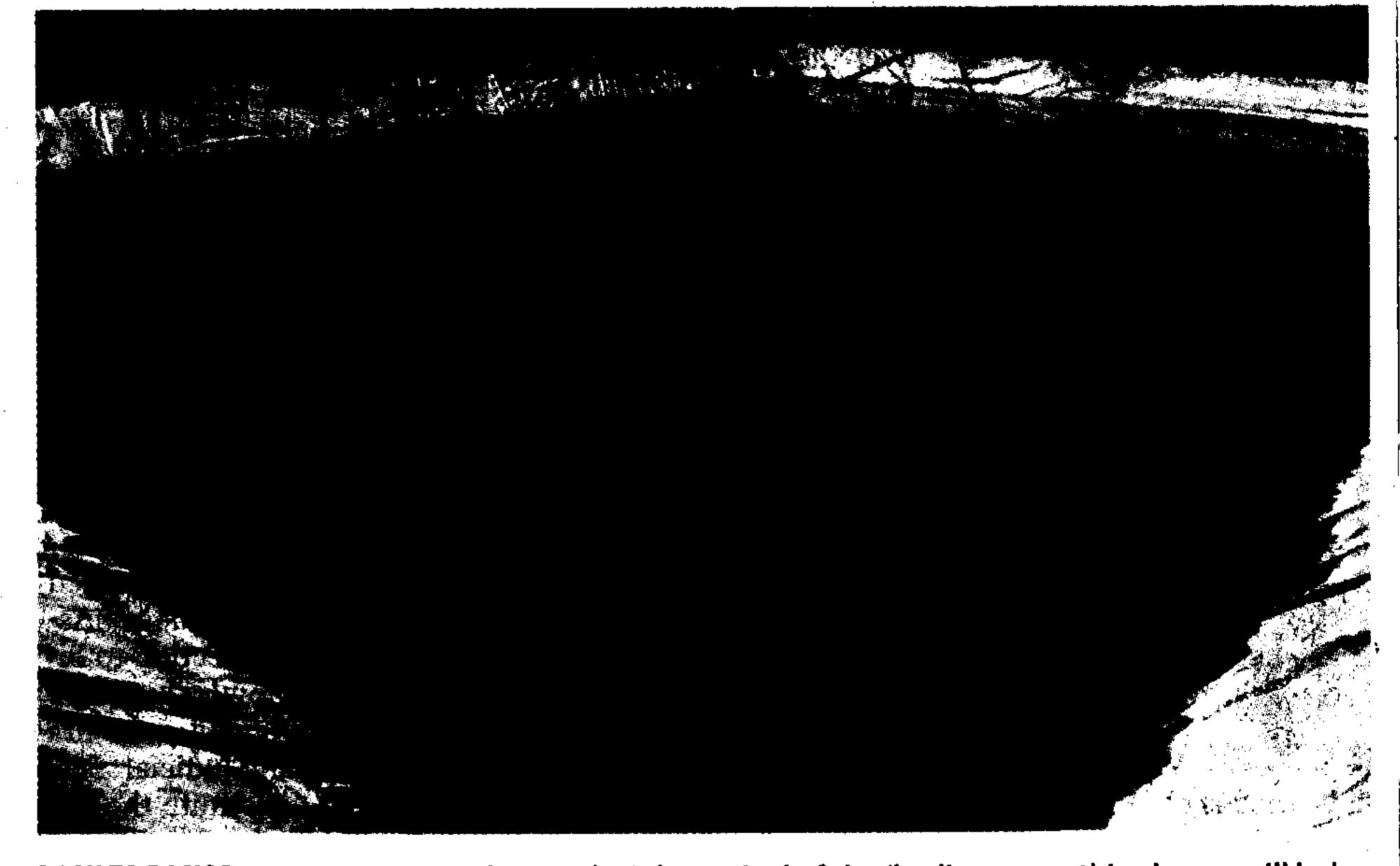
STAFF REPORTER

chennal: The Tamil Nadu government is planning to launch a scheme to revive 'kudi maramath' so that the management of the irrigation and water storage structures are taken up by people at the village level as a mass movement.

According to K. Shanmugam, Secretary, Finance Department, the age-old practice of 'kudi maramath' (community participation) is not visible anywhere now. "The State government is making all efforts to revive the irrigation structures to restore its original capacity. NABARD is helping us in a big way," he said while delivering his keynote address at the 35th foundation day celebrations of National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD).

The Finance Secretary also said that NABARD would be giving additional credit limit for crop production this year to tide over any liquidity crunch of the cooperative banks for timely extension of credit to small and marginal farmers in the State covered under the Debt Waiver Scheme.

He further said that data is



BACK TO BASICS: The government hopes that the revival of the 'kudi maramath' scheme will help turn irrigation management into a mass movement. — FILE PHOTO

being collated for the loan waiver scheme for small and marginal farmers was announced by Chief Minister Jayalalithaa. "The first phase of loan waiver will happen this year," he said.

Gagandeep Singh Beedi, Agricultural Secretary, said that the State was able to tap inland fisheries through funding assistance given by NABARD. "Inland fisheries have increased four-fold in the last few years. This was earlier a neglected sector," he said.

Governor K. Rosaiah gave away the awards to farmer clubs that have made a difference in the agriculture sector. He lauded NABARD for bringing together technology and credit through farmers clubs in Tamil Nadu. As on March 31, 2016, Tamil Nadu has over 8,190 farmers clubs. S. Nagoor Ali Jinnah,

Chief General Manager, NA-BARD, said that NABARD would extend support to the State government in areas like renovation of system irrigation tanks (kudimaramath) in all 17 river basins of Tamil Nadu and introduction of e-markets.

NABARD intends to extend financial assistance to the tune of Rs. 16,000 crore in 2016-17 for the proposed initiatives.

ाष्ट्रनाकं 13ज्ञानिह को निम्निलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

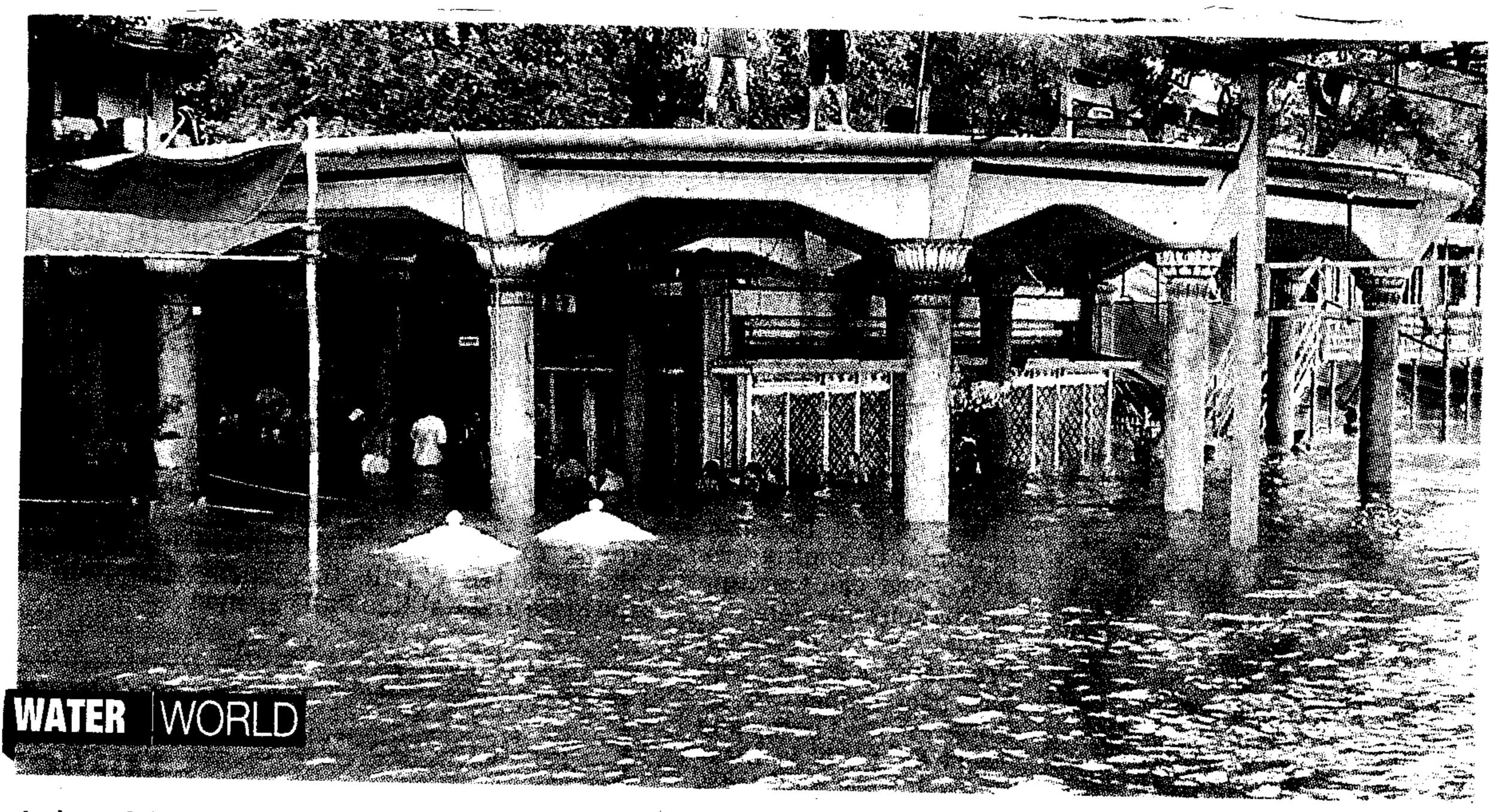
Hindustan Times (Delhi) ਗੁਕੁਆਦਰ ਟਾਡ੍ਰੇਸ਼ਦ (ਫ਼ਿਲ੍ਗੀ) The Tribune (Chandigarh) The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati) The Times of India (Mumbai) The Telegraph (Kolkata) हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru)

The Deccan Chronical (Hyderabad)

Central Chronical (Bhopal)



A view of the submerged Nruinhawadi temple after heavy rains at Shirol taluka in Kolhapur, Maharashtra. Meanwhile, at least 10 people were killed in rain-related incidents in Maharashtra and Rajasthan even as there was some let up in the flood situation in Madhya Pradesh and Assam.

—PTI

्रमाक ! जिम्निसिखत समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi) नवभारत टाईम्स (दिल्ली) The Tribune (Chandigarh) The Hindu (Chennai)

__The Assam Tribune (Guwahati) The Times of India (Mumbai) The Telegraph (Kolkata) हिन्दूस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru) The Deccan Chronical (Hyderabad) Central Chronical (Bhopal)

Korean co to plug breach in Bhogdoi embankment

PANKAJ BORTHAKUR

JORHAT, July 11: In what may turn out to be sign of relief for approximately 45,000 floodhit people of north-west Jorhat, the district administration here has initiated necessary steps to plug the entire 100 metre long essary works have already

breach in the Bhogdoi embankment with geo-textile tube to protect all the affected areas which is home to 20 resourceful villages.

"We have acquired the required material which were not available in Jorhat. Nec-

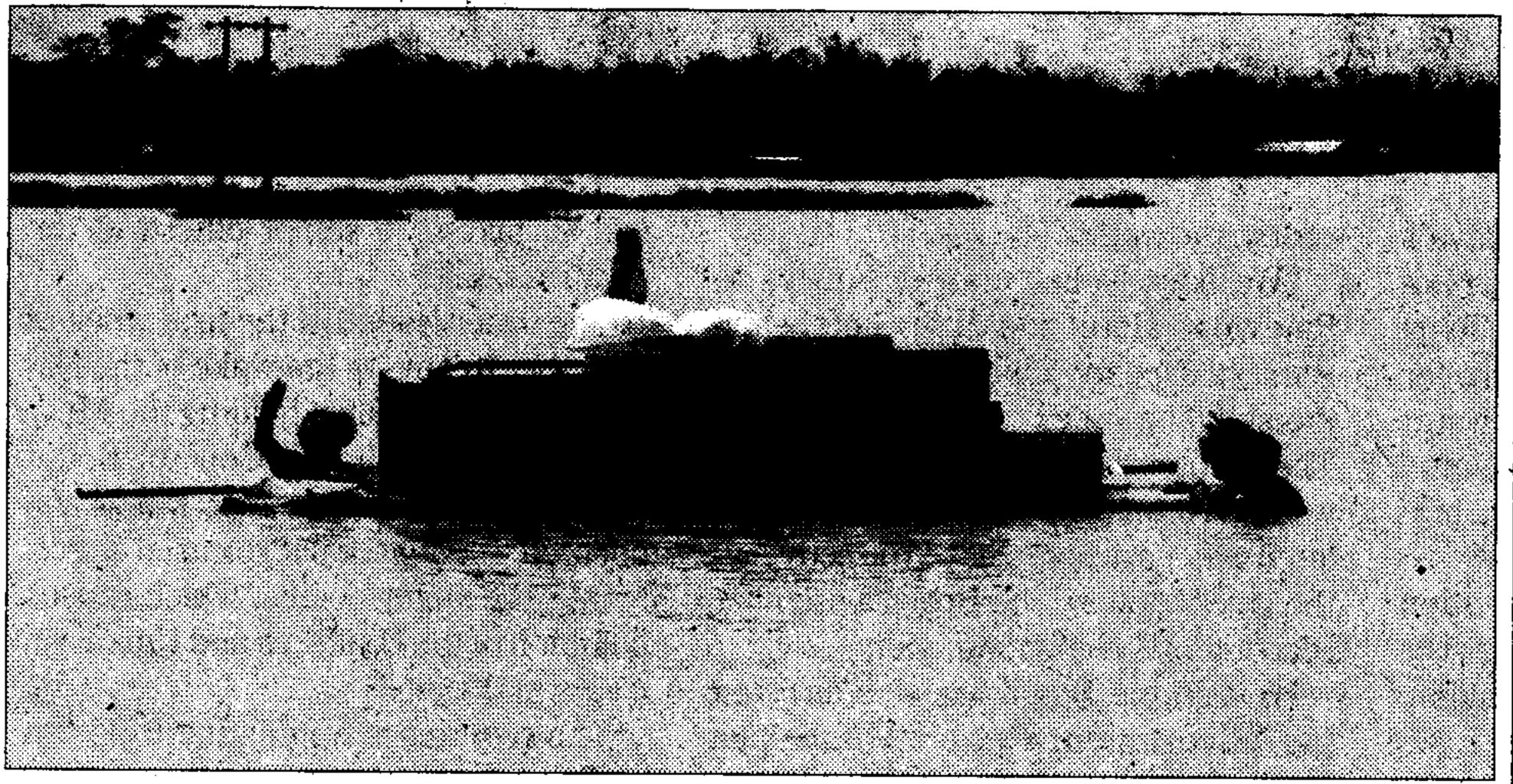
been initiated to plug the breach through tube,"said Jorhat Deputy Commissioner (in-charge) Roshni Aparanji Korati.

On the basis of a detailed survey report prepared by the District Disaster Management Cell, Korati said that nearly 45,000 people were affected by the recent spate of floods in West Jorhat Revenue Circle after the rising waters of the Bhogdoi breached its south bank embankment at Namoni Gayongaon on Friday morning.

It may be pertinent to mention here that the administration estimated the number of affected population as 35,000 following a preliminary survey on the day of occurrence of the massive deluge.

After an initial spot verification, a representative of a South Korean company today assured of the feasibility of geo-tube innically called as 'slurry' in modern-day protection works, informed a technical expert of the Water Resource Department.

He said that the company is known to be technically sound



Wading through flood waters, villagers transporting household goods on a plantain raft at north-west Jorhat, on Monday. - UB Photos

in protection work through geo-textile tube. Earlier, it was entrusted responsibility by the Government to complete similar works at Matmora bandh in Lakhimpur district.

On being asked about the stallation at the location of the estimated period of complebreach, which may take five to tion of the proposed bandh at six days for filling the gap of the Namoni Gayongaon, an engiembankment with a mixture of neer of the Water Resource sand and water, which is tech- Department said that the necessary material will be brought to the spot within the next four to five days.

> "The representative of the Korean company said that they would complete the task of fill-

and has long-term experience ing the entire breach within five to six days. The mixture of sand and water will be pumped into the geo-textile tube by a mechanised process. It will subsequently take the shape of a permanent structure, which will definitely divert the flow of water," opined the engineer.

> Addressing a press conference here today, Deputy Commissioner (in-charge) Korati said that three new relief camps were set up today at different locations of the floodhit area and relief material was being distributed among all the affected people, besides providing the required medical

service to them.

She informed that 1,150 hectares of agricultural land and 1,200 hectares containing fisheries were affected by the recent wave of floods in West Jorhat Revenue Circle. Atleast 1,600 people are still living in seven relief camps which were set up by the district administration in the affected areas of the revenue circle.

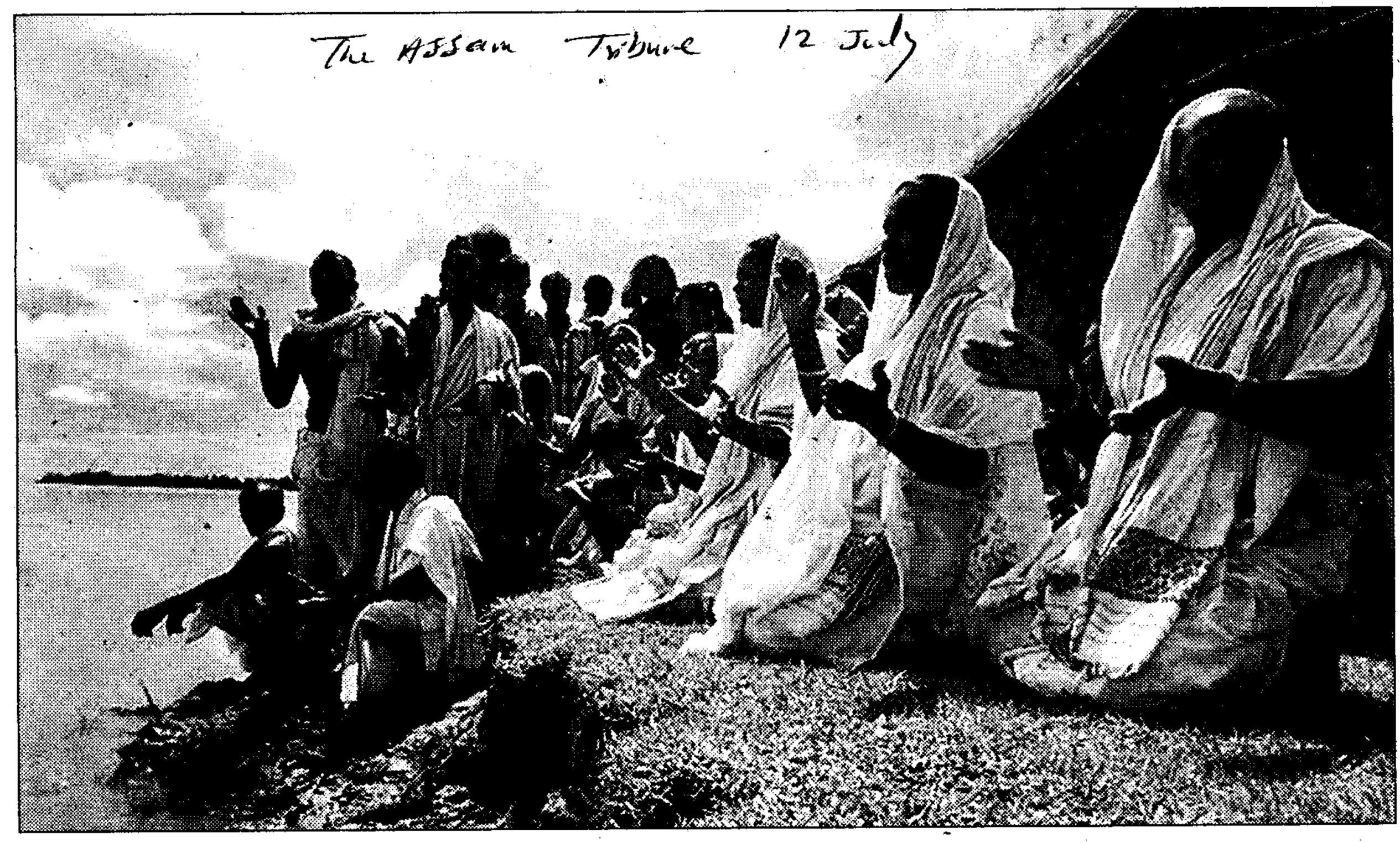
Officials of the district administration expected that the entire inundated area will be protected from floods in future if the geo-textile tube work is implemented properly at the breach site.

्नाकं .!.उड्डा को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi) नवभारत टाईम्स (दिल्ली) The Tribune (Chandigarh) The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati) The Times of India (Mumbai) The Telegraph (Kolkata) हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru) The Deccan Chronical (Hyderabad) Central Chronical (Bhopal)



Villagers offering prayers to the mighty Brahmaputra as rising waters of the river has caused massive erosion at the Auniati Satra in Majuli on Sunday. – UB Photos